मुख्य परीक्षा

प्रश्न- क्या भारत में विकास की प्रक्रिया समावेशी नहीं है? टिप्पणी कीजिए।

(250 शब्द)

Is the process of development in India not inclusive? Critically analyse.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

मुख्य परीक्षा

- भूमिका में समावेशी विकास को बताएं।
- अगले पैरा में बताएं कि क्या भारत में विकास समावेशी नहीं है?
- फिर अगले पैरा में समावेशी विकास के सकारात्मक सुझाव दें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दीजिए।

विकास की वह प्रक्रिया जिसमें सभी लोग (अमीर व गरीब), सभी भौगोलिक क्षेत्र (जैसे कि अगड़े राज्य और पिछड़े राज्य), गांव और शहर और सभी आर्थिक क्षेत्र (जैसे कि कृषि, उद्योग, सेवाएं आदि) उचित भागीदारी करते हो, तो इसे समावेशी विकास कहते हैं।

क्या भारत में विकास समावेशी नहीं हैं?

- लुकास चैन्सेल और थॉमस पिकेटी द्वारा एक रिसर्च पेपर (from british Raj to Billionaire Raj) में यह बताया गया कि भारत की टॉप 1% जनसंख्या भारत की राष्ट्रीय आय में 22% की भागीदारी करती है।
- ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट - 2017 (Credit Swisse) के अनुसार भारत की टॉप 1% जनसंख्या के पास भारत की सम्पत्ति का 60% हिस्सा है, वहीं भारत की वॉटम 50% जनसंख्या के पास भारत की संपत्ति का 4% हिस्सा है।
- भारत में गिनी गुणांक का स्तर बढ़ रहा है, जो आय की बढ़ती हुई विषमताओं को प्रदर्शित करता है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के क्षेत्रीय आर्थिक दृष्टिकोण (Regional Economic Out look) के अनुसार 1990 में भारत का गिनी गुणांक 45% था, जो 2016 में बढ़कर 51.4% हो गया। क्योंकि गिनी गुणांक का मूल्य 0 से 1 के मध्य होता है। इसलिए इसे कभी-कभी 100 से गुणा कर दिया गया जाता है।
- भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों के AVA(Average Value of Assets) का औसत स्तर 10.07 लाख रुपये पाया गया जबकि शहरी परिवारों के AVA का स्तर 22.85 लाख रुपये पाया गया है।
- भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के टॉप 10% परिवारों के AVA का स्तर 57 लाख रुपये है, जबकि शहरों में 10% परिवारों का AVA स्तर 146 लाख रुपये है। इस प्रकार उपर्युक्त तथ्यों और विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत में विकास समावेशी नहीं है।

सुझाव:-

- सबके लिए समान अवसर का होना।
- शिक्षा और स्वास्थ्य तक लोगों की पहुँच का विस्तार करना।
- वित्तीय समावेशन का विकास करना।
- एक प्रभावी राजकोषीय नीति का निर्माण जो निम्न दो बातों को आधार बनाती हो-
  1. प्रगतिशील कर प्रणाली
  2. उच्च सामाजिक खर्च
- अप्रत्यक्ष करों पर निर्भरता कम करना और प्रत्यक्ष करों पर अधिक जोर देना।

संतुलित एवं सारगर्भित निष्कर्ष दें।